

Name: _____ Date: _____

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

प्रश्न-1 हर तरह की सुख सुवधाएं पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उत्तर

प्रश्न-2 पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन - कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते थे?

उत्तर

प्रश्न-3 भाव स्पष्ट कीजिए -

"या तो क्षितिज मिलन बन जाता / या तनती साँसों की डोरी।"

उत्तर

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

प्रश्न-1 हर तरह की सुख सुवधाएं पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उत्तर हर तरह की सुख सुवधाएं पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद इसलिए नहीं रहना चाहते क्योंकि उन्हें स्वतंत्रता पसंद है, वह बंधन में नहीं रहना चाहते। वह खुल कर आकाश में उड़ना चाहते हैं।

प्रश्न-2 पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन - कौन सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते थे?

उत्तर पक्षी उन्मुक्त रहकर बहता हुआ शीतल जल पीना, कड़वे निबौरी के फल खाना, पेड़ की सबसे ऊंची टहनी पर झुलना, खुले आसमान में उड़ना तथा क्षितिज के अंत तक उड़ने की इच्छाएँ पूरी करना चाहते थे ।

प्रश्न-3 भाव स्पष्ट कीजिए -

"या तो क्षितिज मिलन बन जाता / या तनती साँसो की डोरी।"

उत्तर इन पंक्ति में पंछी क्षितिज की सीमा तक उड़ जाने की या अपने प्राण त्याग देने की इच्छा रखते हैं।